November 2015
TODAY
(NEWSLETTER OF EURASIA REIYUKAI)
Year : 3, Vol. 29
www.eurasiareiyukai.com

Smile of The Month

यूराशिया रेयूकाई कृतज्ञता पर्व

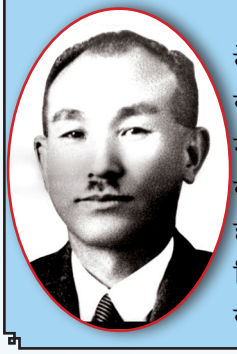

महागुरु काकुतारो कुबोजी की ७२ वीं पुण्यतिथि के दिन यूराशिया रेयूकाई द्वारा १८ नवम्बर २०१५ को कृतज्ञता पर्व का आयोजन करने का महान मौका प्राप्त हुआ है। मुख्य समारोह यूराशिया रेयू-काई प्रधान कार्यालय स्थित सिलीगुड़ी में आयोजित होगा, इसलिए सम्पूर्ण मिहाता शाखाओं एवं समाज विकास केन्द्रों में भी समारोह आयोजित होने के कारण अपनी पहुंच वाले स्थान पर अपने-अपने

यूराशिया रेयूकाइ युवा विकास सिक्कोबु का गठन

यूराशिया रेयूकाईमा यूवा बिकास सिक्कोबु गठन भएको छ । यूराशिया रेयूकाईका यूवाहरु क्रियाशील भई आफू बसेको समाज देश र बिश्वको लागी काम लाग्ने यूवा बन्न समाजमा काम लाग्ने खालका क्रियाकलाप गरी यूवाको जिम्मेवारी र कर्तव्य पूरा गर्नको लागी यूराशिया रेयूकाईमा १६वर्ष देखी ४०वर्ष सम्मका यूवालाई समेटी यूवा बिकास क्रियाशील छ

संस्थापक अध्यक्षज्यू के साथ यूवा बिकास सिक्कोबु

संस्थापक अध्यक्ष जी द्वारा युवा विकास सिक्कोबु को प्रदान किया गया मार्ग निर्देशन

अब तक बोधिसत्व की भावना जागृत नहीं हुए व्यक्ति में बोधिआत्मा जागृत कराने के लिए मिचिबिकी कराने का मौका प्राप्त करना है। महायाना की भावना से इस संसार को नहीं बचाने से नहीं होगा, ऐसी जिम्मेवारी और कर्तव्य हम जन्म के साथ लेकर आए हैं। जीवन और शरीर अभिभावकों से प्राप्त किया है, जिम्मेवारी-कर्तव्य माता-पिता से ही नहीं, बल्कि पूर्वजों से भी प्राप्त किया है। जन्म लेने से पहले बुद्ध के साथ किये गये वादों के अनुसार कार्यान्वयन कर परिणाम दिखाने की प्रतिज्ञा कर आने के कारण जिम्मेवारी और कर्तव्य पूरा करने का मौका प्राप्त नहीं करने से नहीं होगा। मनुष्य होने के कारण एक-एक जन द्वारा जन्म के साथ लेकर आए अच्छे कर्म के सम्बन्ध बुरे कर्म के सम्बन्ध और कर्म व्यवधान हैं । उसे साथ ढोने की अवस्था में आज युवा विकास सिक्कोबु को अच्छी तरह अपनी जिम्मेवारी -कर्तव्य पूरा करने का मौका प्राप्त करना है। अपने बुरे कर्म के सम्बन्धों को दूर नहीं करने तक जिम्मेवारी-कर्त्तव्य पूरा नहीं कर सकते। वह क्या है, उसका पता लगाना पड़ेगा यही अपना विकास है। मिचिबिकी करने का मौका पाकर सदस्यों से सीखें। सदस्यों से सीखने का मतलब सदस्यों के स्वरूप को देखकर अपने बुरे कर्म के सम्बन्धों का पता लगाने का मौका प्राप्त करना हे।

बुस्स्योगोनेन की महान् शिक्षा का कार्यान्वयन करने का मौका प्राप्त करने के अनु-सार जो परिणाय निकलता है, उसे अनुभव कहते है। इसलिए कार्यान्वयन कर एवं कार्यान्वमन कराकर निकाले गये परिणाम ही खुशी का अनुभव हे। इसलिए अनुभव दिव्यज्योति है। अनुभव प्राप्त व्यक्ति ही दिव्यज्योतिर्मय होता है। इस तरह के दिव्य ज्योति का अनुभव प्राप्त किये लोगों का ज्यादा से ज्यादा निर्माण नहीं करने से नहीं होगा। कृतज्ञता और क्षमा वाला मन होना पड़ेगा, मन परिवर्तन हुआ तो शब्दों और व्यवहार में परिवर्तन आएगा। इस तरह की बातें औरों में देखकर, फलाना व्यक्ति तो बदल गया है, मैं भी उसी प्रकार का होना चाहता हूँ, ऐसी भावना बनती है। ऐसा व्यवहार सर्वत्र देखने पर 'मुस्कान' है। रेयूकाई में मुस्कान का संसार बनाना पड़ेगा। आध्यात्मिक संसार को भी मुस्कानयुक्त बनाना पड़ेगा। पूर्वजों को भी मुस्कानयुक्त बनाना पड़ेगा। आध्यात्मिक संसार के पूर्वजों को मुस्कानयुक्त बनाने के लिए पूर्वज संतति द्वारा पाठ किये गये नीलसूत्र को सुनकर अपने में आत्मालोचना कर, अपनी कमजोरी के कारण ऐसा हुआ है, ऐसा महसूस करने का मौका प्राप्त करते हैं।

दीपावली की शुभकामना

शुभ दीपावली २०१५ के सुखद उपलक्ष में सभी नागरिकों, यूराशिया रेयूकाई के सभी सदस्यों और लीडर्स के सुख-शांति व समृद्धि की हार्दिक मंगलमय शुभकामना।

युशुन मासुनागा संस्थापक अध्यक्ष एवं यूराशिया रेयूकाई

यूराशिया रेयूकाई ११औं शाखा मुख्यहल समुदघाट्न सम्पन्न

यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्षज्यूको बरद् बाहुलिबाट १० अक्टोबर २०१५का दिन यूराशिया रेयूकाई ११औं शाखाको मुख्यहल समुदघाट्न गर्नु भयो । अब देखी यूराशिया रेयूकाई ११औं शाखा नेपाल देश ललितपुर जिल्ला स्थित सानेपाबाट संचालन हुनेछ ।

पूर्वजों द्वारा उस घर की संतति को कृतज्ञता प्रदान की जाती है। इसलिए पूर्वजों का ज्यादा से ज्यादा होम्यो लिखने का मौका पाकर कार्यान्वयन करने का मौका पाया तो पूर्वजों के प्रभाव से घर में अच्छा परिवर्तन आता है। इसलिए यूराशिया महाद्वीप को बचाने के लिए पूर्वजों को केन्द्रविन्दु बनाकर जीवनयापन करने वाला घर-परिवार बनाना पड़ेगा।

नेपाल देश में हाल ही में भूकंप आया। उसके बाद तुरंत विभिन्न उतार-चढाव के कारण आज देश विभिन्न समस्याओं से ग्रस्त है। यह स्थिति आज के जीवित नागरिकों ने बनायी है। इसका मतलब नेपाल के पूर्वजों में काफी असंतुष्टि व्याप्त है, कह सकते है। ऐसी परिस्थितियां बनने के कारण मिचिबिकी नहीं करने से नहीं होगा। मिचिबिकी करने का मौका पाकर ज्यादा से ज्यादा पूर्वजों की आत्मा को नहीं बचाने से नहीं होगा। रेयूकाई शिक्षा पूर्वज स्मरण, कर्म शुद्धिकरण एवं प्रायश्चित द्वारा पाप का परिशोधन करने वाली शिक्षा है। इसलिए पूर्वज स्मरण करने का मौका पाकर पूर्वजों से शक्ति प्राप्त करनी पड़ेगी और अपनी स्वयं की जिम्मेवारी-कर्तव्य पूरा करने का मौका पाकर नेपाल देश को पहले की अवस्था में लौटाने का मौका प्राप्त करना पड़ेगा।

९ एवं १८ तारीख के मिलन सम्बन्धी जानकारी

प्रत्येक माह ९ एवं १८ तारीख के मासिक मिलनों खुशी का अनुभव सुनने एवं अपने जीवन में महान रेयूकाई शिक्षा को लागू कर उससे प्राप्त खुशी के अनुभवों को परस्पर आदान-प्रदान करने के लिए अपने सदस्यों के साथ सहभागी बनें।

सहयोगिता का हाथ बढ़ाते हुए निरंतर क्रियाशील हैं.

मिलजुलकर रहना ही

नेपाली नववर्ष २०७२ की शुरूआत में नेपाल देश को अप्रत्याशित नुकसान झेलना पड़ा। विनाशकारी भूकम्प से अब तक ८,९७४ लोगों की अकालमृत्यु होने की पीड़ा के साथ ही २२,३२१ लोगों के घायल होने की स्थिति है। इसके अलावा छह लाख से ज्यादा भौतिक संरचनाएं ध्वस्त हुई हैं। विनाशकारी महाभूकंप के बाद शीघ्र ही यूराशिया रेयूकाई संस्थापक अध्यक्ष श्री युशुन मासुनागा जी का मार्गनिर्देशन पाकर यूराशिया रेयूकाई प्राकृतिक वातावरण संरक्षण एवं प्रकोप प्रतिरोध समिति के माध्यम से भूकम्प से अति प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों में क्रियाशील होकर राहत के क्रियाकलापों का संचालन करने का मौका प्राप्त हुआ है। उसके बाद सदस्यों व नागरिकों के साथ मिलकर पुनर्निर्माण में जुटे हैं। यूराशिया रेयूकाई द्वारा आज भी निरंतर सहयोगात्मक क्रियाकलापों का संचालन करने का मौका प्राप्त किया जा रहा है। अभी तक नेपाल देश के सिन्धुपाल्चोक, दोलखा, कार्भेपलान्चोक, काठमांडू, ललितपुर, भक्तपुर, धादिंग, नुवाकोट जिलों के अति प्रभावित क्षेत्रों में सहयोग के क्रियाकलाप संचालित करने का मौका प्राप्त करते आ रहे हैं। अब तक सहयोग के क्रियाकलापों में दैनिक जरूरतों की खाद्यान्न सामग्रियां, टेन्ट तिरपाल, मच्छरदानी, पेयजल, छत की टिन-चादरें, पेयजल की टंकियां, गृह निर्माण की विभिन्न सामग्रियां साथ ही बालक - बालिकाओं को जरूरतवाली दैनिक सामग्रियां शैक्षिक सामग्रियां, स्कूल बैग तथा स्कूल ड्रेस (शर्ट-पैन्ट) वितरण करने का मौका प्राप्त हुआ है। इन कार्यों से सम्बन्धित क्षेत्रों में राहत प्राप्त करने वाले व्यक्ति, विद्यालय परिवार व बालक-बालिका में यूराशिया रेयूकाई के प्रति कृतज्ञता और खुशी का वातावरण बना है।

हस्तकला प्रशिक्षण, नारायणघाट

महिला मिलन, झापा

वृक्षारोपण कार्यक्रम, काठमाण्डौ

"यूराशिया रेयूकाई विश्वशान्ति निर्माण करने हेतु समाज में योगदान करनेवाले अधिकाधिक लोगों का निर्माण करनवाली एक सामाजिक संस्था है"

यूराशिया रेयूकाई द्वारा प्रत्येक शनिवार को नागरिक साफ-सफाई अभियान का संचालन होता रहा हैं। उक्त अभियान में सभी सहभागी बनें।